☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

नैतिक आवाज, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

नैतिक आवाज ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय : प्रो0 आरपी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊके संयुक्त संयोजन में ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का षि प्रधान देश है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आरपी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजी-डीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परकः निदेशक प्रो0 आरपी सिंह

सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या (तरुण प्रवाह)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष

कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

तरूणमित्र, अयोध्या

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

माधवपुर ग्राम में महिला अध्ययन केन्द्र व एक्टिविटी क्लब द्वारा किया गया पौधरोपण

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र एवं एक्टिविटी क्लब द्वारा 5 जुलाई को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम पंचायत माधवपुर मसौधा में सघन पौधरोपण किया गया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा निर्देशित विस्तार गतिविधि के तहत अविवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के निर्देश पर महिला अध्ययन केंद्र एवं एक्टिविटी क्लब ने कोविड 19 के प्रोटोकॉल में नीम, पीपल, बरगद आंवला, आम एवं अमरूद का वृक्षारोपण किया। विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. तुहिना वर्मा ने बताया कि हमारे देश में जहां पौधरोपण का कार्य किया जाता है वही इन्हें पूजा भी जाता है। कई ऐसे वृक्ष है, जिन्हें हमारे हिंदू धर्म में ईश्वर का निवास स्थान माना जाता है। धर्म शास्त्रों में हमेशा वृक्षों की महिमा की कहानियां सुनने को मिलती है। जिन वृक्ष की हम पूजा करते है वे औषधीय गुणों का भंडार भी होते हैं, जो हमारी सेहत को बरकरार रखने में मददगार सिद्ध होते है। इसी क्रम में एक्टिविटी क्लब के डायरेक्टर डॉ0 मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि पर्यावरण को बचाए रखने के लिए पेड़ लगाना बेहद जरूरी है।

चौकी इन्चार्ज ने बीमार गोवंश का कराया उपचार

भारत कनेक्ट, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक : निदेशक प्रो0 आरपी सिंह

भारत कनेक्ट संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं।

जनसंदेश टाइम्स, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन जुड़े रहे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परकः आरपी सिंह

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं।

स्वदेश प्रकाश, अयोध्या

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों कीओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्तापरक : निदेशक प्रो0 आरपी सिंह

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय केइग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीयकेन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन मे आज06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहतडिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रोंको ग्रामीण विकासऔर रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य सेऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बालसंरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा किगाँव के प्राकृतिक वातावरण मे रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँहै। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावामिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसेगांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध है क्योंकिभारत गावो का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादीके समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावो मे रहती थीं औरआज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावो मे बसता है। इग्नू द्वाराग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरो की ओरपलायन रोकने मे मदद मिलेगी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्रीएवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीन्युइंग एजुकेशन के निदेशक प्रोoआर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलायेजा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंनेकहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक है।इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसेकोर्स जनवरी से शुरू किये गये है। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासो की सराहना की। इग्नू क्षेत्रीयनिदेशक डॉ0 मनोरम सिंह ने सभी अतिथियोऔरप्रतिभागियो का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्यविद्यार्थियो तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवधविश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीणविकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमो से लाभान्वित होने के लिए छात्रो को प्रेरित किया। कार्यशाला मे इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह नेसंचालन करते हुये अतिथियो का परिचय कराया तथाविद्यार्थियो के प्रश्नो का विशेषज्ञो द्वारा समाधान किया। इसअवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

मखौड़ा संदेश, अयोध्या

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परकः निदेशक प्रो0 आरपी सिंह

मखौड़ा संदेश संवाददाता।

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन जुड़े रहे।

मखौड़ा संदेश
हिन्दी दैनिक

वॉयस ऑफ मूवमेंट, अयोध्या

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 02

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम से शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परकः निदेशक प्रो आरपी सिंह

जिला संवाददाता

अयोध्या। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कंटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो० आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमए,आरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो० सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ० हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ० कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन जुड़े रहे।

सपा महिला महानगर अध्यक्ष सरोज यादव में पर्यावरण संवर्धन में किया पौधरोपण

अयोध्या। समाजवादी पार्टी की महिला महानगर अध्यक्ष सरोज यादव ने पर्यावरण संवर्धन में आज ग्रामीणों के साथ ग्रामीणांचल में पौधरोपण अभियान चलाया। श्रीमती सरोज यादव ने समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकर्ता व अन्य के साथ मलिकपुर ग्राम सभा में पौधरोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पृथ्वी को हरा भरा और ऑक्सीजन युक्त बनाएं। उन्हें आम जनमानस का आवाहन करते हुए कहा की हम सभी की जिम्मेदारी है कि वृक्ष लगाकर पर्यावरण को बचाएं उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार में पेड़ लगाने का काम कम हो रहा है और काटने का काम ज्यादा किया जा रहा है। ऐसे में सभी की जिम्मेदारी है कि जहां भी हो पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का काम करें।

अवधनामा, लखनऊ

दिनांकः 07 जुलाई, 2021 पृष्ठ संख्याः 07

इग्नू के ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम शहरों की ओर पलायन को रोकने में मदद मिलेगी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र एवं इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के संयुक्त संयोजन में आज 06 जुलाई, 2021 को ग्रामीण विकास पाठ्यक्रम के तहत डिप्लोमा एवं स्नातक के प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण विकास और रोजगार विषय पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आंनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष विशेष कुमार गुप्ता ने कहा कि गाँव के प्राकृतिक वातावरण में रोजगार की बड़ी सम्भावनाएँ हैं। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिला है। अभी तक विकास की दिशा शहरोन्मुखी रही है जिसे गांवों की ओर ले जाने के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं क्योंकि भारत गावों का कृषि प्रधान देश है।

उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की नब्बे फीसदी आबादी गावों मे रहती थीं और आज भी सत्तर प्रतिशत भारत गावों में बसता है। इग्नू द्वारा ग्रामीण विकास का पाठ्यक्रम शुरू करने से शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रमुख शिक्षाविद् समाजशास्त्री एवं इग्नू के स्कूल आफ कांटीनुइंग एडुकेशन के निदेशक प्रो0 आर पी सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इग्नू के पाठ्यक्रम उच्चस्तरीय और गुणवत्ता परक हैं। इसके द्वारा एमएआरडी, सीआरडी, तथा पीजीडीआरडी जैसे कोर्स जनवरी से शुरू किये गये हैं। प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कहा कि इग्नू का उद्देश्य विद्यार्थियों तक पहुँचना है। इग्नू अध्ययन केंद्र, अवध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ0 हिमांशु शेखर सिंह ने ग्रामीण विकास से सम्बंधित इग्नू द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

कार्यशाला में इग्नू क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 कीर्ति विक्रम सिंह ने संचालन करते हुये अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या प्रतिभागी आंनलाइन जुड़े रहे।